20 गौशालाएं चालू, फिर भी मवेशियों के लिए नहीं जगह

नवभारत न्यूज

बैतूल, 10 अगस्त. शहर से लेकर हाईवे तक सड़कों पर बैठे मवेशियों के झुंड हटवाने के भले ही प्रशासन दावे कर रहा है, लेकिन सच्चाई यह है कि, जिले में गोवंश को रखने के पर्याप्त इंतजाम ही नहीं है.

मवेशी सड़कों पर डेरा डालकर बैठते

यातायात व्यवस्था होती है बाधित

ऐसे में सड़कों पर बैठने वाले गोवंश के झुंड की वजह से जहां हादसों में मवेशियों की मौत हो रही है तो वहीं राहगीरों को भी नुकसान हो रहा है. दरअसल जिले में तकरीबन 6.72 लाख मवेशी हैं जिनमें से करीब 15 फीसदी यानी 1.12 लाख खुले में घूम रहे हैं. जबकि जिले में गोवंश को रखने के बंदोबस्त की बात करें तो पूरे जिले में सरकारी 14 और निजी 10 गोशालाएं हैं जिनमें से मौजूदा वक्त में सिर्फ 20 ही चालू हैं और 4 सरकारी गोशालाओं का काम पूरा नहीं हो सका है. इन गोशालाओं में सिर्फ 2 हजार मवेशियों को ही रखने की व्यवस्था है, लेकिन इसके आधे ही मवेशी गोशाला में दर्ज है. इस स्थिति के चलते शहरी क्षेत्र में आवारा मवेशियों की संया बढ़ गई हैं, जो सड़कों पर खुले घूम रहे हैं. आवारा मवेशियों को पकड़ने में नगरपालिका का अमला नाकाम साबित हो रहा है. यही कारण है कि शहर की सडक़ों पर फिर से आवारा मवेशियों के झुंड नजर आने लगे हैं.

चार गोशालाओं का संचालन शुरू नहीं हुआ : जिले में कुल 14 सरकारी गोशालाओं का निर्माण जिला पंचायत के माध्यम से कराया गया हैं, लेकिन इनमें से सिर्फ 10 गोशालाओं का संचालन समूहों के माध्यम से किया जा रहा हैं, जबकि शेष चार गोशालाओं में पीने के पानी और बिजली फिटिंग का इंतजाम नहीं होने के कारण गोशाला को शुरू नहीं किया जा सका है. ऐसे में गोवंश खुले में ही घूम रहे हैं. बिजली, पानी का इंतजाम करने की जिमेदारी पशु चिकित्सा विभाग की है. वहीं पशु चिकित्सा विभाग भी गोशाला में अधूरे इंतजाम होने पर गोशाला हैंडओवर लेने से हाथ खड़े कर रहा है. आवारा मवेशी शहरवासियों के लिए न सिर्फ सिर दर्द बन गए हैं बल्कि दुर्घटनाओं का कारण भी बन रहे हैं. कुछ युवाओं ने सोशल मीडिया पर आवारा मवेशियों को सड़क से हटाए जाने को लेकर कैंपेन भी चला रखा है. आवारा मवेशियों को नहीं हटाए जाने पर सड़क पर उतरकर नगरपालिका के विरूद्ध चक्काजाम और धरना प्रदर्शन की चेतावनी तक दी जा रही है.

नपा के सामने आवारा मवेशी को रखने का संकट

नगरपालिका आवारा मवेशियों की जो धरपकड़ करती हैं उसे ग्राम कढ़ाई स्थित गोशाला में भेजती हैं, लेकिन कढ़ाई की गोशाला मवेशियों से पूरी तरह भर चुका है. यहां 50 मवेशियों को रखे जाने की क्षमता हैं, लेकिन वर्तमान में 90 मवेशियों को रखा गया है. ऐसे में नगरपालिका के सामने दो बड़ी समस्या खड़ी हो गई हैं या तो वह मवेशियों को पकड़ने का अभियान बीच में बंद कर दे या फिर गोशाला के विस्तार पर विचार-विमर्श करे. गोशाला की इस स्थिति के चलते बताया यह जा रहा है कि नगरपालिका जो मवेशी पकड़ती हैं उन्हें शहर के बाहर ले जाकर खुला छोड़ देती हैं जिससे कि मवेशी पुनः शहर में वापस लौट आते हैं.

जुर्माने का यह है प्रावधान

सड़कों पर विचरण करते हुए आवारा मवेशी पूरे प्रदेश में देखने को मिल जाएंगे. इनकी वजह से आए दिन दुर्घटनाएं भी होती हैं. इसे देखते हुए नगरीय प्रशासन ने आवारा मवेशियों पर जुर्माने की राशि को बढ़ा दिया था, लेकिन इसके बाद भी लोगों को राहत नहीं मिल रही है. पकड़े गए मवेशियों के मालिकों से नगरपालिका सेवा शुल्क के रूप में पहले प्रति मवेशी 500 रुपए लिया करती थी, लेकिन इसे बढ़ाकर अब 2000 रुपए कर दिया गया है। यदि दूसरी बार मवेशी पकड़े जाते हैं तो 5000 हजार रुपए का जुर्माना करने का प्रावधान है. मवेशियों के अलावा अब भैंस के आवारा घूमते पाए जाने पर पहली बार में पकड़े जाने पर 5000 रुपए जुर्माना और दूसरी बार में 10000 रुपए जुर्माना अदा करना पड़ेगा.

ट्यूबवेल की मोटर और केबल चोरी होने से किसानों में आक्रोश

मुलताई। ग्राम तिवरखेड़ में इन दिनों खेतों के कुएं और ट्यूबवेलों पर लगी मोटरों के केबल चोरी होने की घटनाएं लगातार सामने आ रही है. करीब एक दर्जन किसानों के खेतों के कुएं एवं ट्यूबवेलों से अज्ञात चोरों द्वारा लाखों रुपए की केबल चोरी कर ली गई है. इस संबंध में ग्राम के किसान संजय बड़घरे अनिल बड़घरे, विनोद अडलक, उत्तम चौधरी, अरुण अडवारे, दिनेश भोयरे, किशोर, प्रफुल्ल, अनिल, गणेश, रमेश आदि प्रभात पट्टन पुलिस चौकी पहुंचे थे. जहां पर उन्होंने लिखित रूप से शिकायत की है और जल्द से जल्द केवल चोरों को पकड़ने के लिए भी मांग की है। किसानों का कहना है कि जो केबल चोर फिलहाल क्षेत्र में सक्रिय है, वहीं पिछले दो तीन सालों से लगातार इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं. उनके द्वारा लगातार क्षेत्र में केबल चोरी किया जा रहा है, जिससे कि किसान परेशान है. यदि तत्काल इन केबल चोरों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है, तो किसान आंदोलन करने के लिए भी मजबूर रहेंगे.

एक नजर में

अवकाश के दिन भी कर्मचारी वर्किंग मोड पर दिखे

बैतूल। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर घर-घर तिरंगा अभियान के तहत जनसामान्य को उत्साह और देशभक्ति के साथ स्वाधिनता दिवस मनाने के लिए शनिवार 10 अगस्त को अवकाश घोषित नहीं किया गया. 9 अगस्त को ही नपा के सीएमओ ने कलेक्टर के निर्देश पर आदेश निकाले थे कि 11 से 15 अगस्त हर घर तिरंगा अभियान मनाया जाना है. इसकी तैयारियों और 10 अगस्त को लाड़ली बहना योजना की राशि वितरण कार्यक्रम होने के कारण शनिवार का अवकाश प्रतिबंधित किया गया है. सीएमओ ओमपाल सिंह भदोरिया को हर कर्मचारी को कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए तो कार्यालय में अनुपस्थित कर्मचारी का एक दिन का वेतन आहरण करने को भी कहा था. इसके बाद नपा में शनिवार रूटिन की तरह कामकाज संचालित होता नजर आए. सभी अधिकारी और कर्मचारी पूर्व की तरह सुबह 10 बजे कार्यालय आ गए थे.

दुराचार करने वाले आरोपी को 20 वर्ष का कारावास

बैतूल। 14 वर्षीय किशोरी के साथ दुराचार करने वाले आरोपी संतलाल उम्र 25 वर्ष निवासी बैतूल को अनन्य विशेष न्यायालय ने 20 वर्ष का कठोर कारावास और 5 हजार रूपये के अर्थदंड से दंडित किया है. अभियोजन अधिकारी ओमप्रकाश सूर्यवंशी ने बताया कि पीड़िता ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह 1 जनवरी 2023 को मम्मी और भाई के साथ मौसी के घर गई थी. जब वह शौच के लिए बाहर गई तो, उसी समय आरोपी ने उसका मुंह दबाकर एक खाली मकान में ले गया और उसके साथ दुराचार किया. जब परिजनों को इस घटना की जानकारी दी और इसकी शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज कराई. न्यायालय ने शनिवार को आरोपी के खिलाफ सजा सुनाई है.

अहिल्याबाई त्रिशताब्दी समारोह का होगा आयोजन

बैतूल। पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई त्रिशताब्दी उद्घाटन समारोह को लेकर कस्तूरी बाग में 10 अगस्त शनिवार को समिति की बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में उद्घाटन कार्यक्रम की कार्य योजना एवं कार्यक्रम के लिए दायित्वों का निर्धारण आबंटन किया गया. बैठक में ममता कुबड़े, पर्यावरण आयाम से आशीष कोकने, सुशीला बोडके प्रमुख रूप से उपस्थित रहे.

बम के खोल बेचने वाला फरार, तीन लोगों पर दर्ज की है एफआईआर

बैतूल। बम खोल बेचने वाला आरोपी अभी भी पुलिस गिरफ्त के बाहर है. पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है. पुलिस ने बम के खोल मिलने के मामले में कुल तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है.

फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने कई जगह दबिश दी, लेकिन कहीं सुराग नहीं लग पाया. बम खोल खरीदने वाले कबाडी और उसके बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. गोडाउन से पुलिस ने सर्चिंग के दौरान कुल 25 बम खोल बरामद किए गए. कोतवाली थाना प्रभारी देवकरण डहेरिया ने बताया कि खंजनपुर क्षेत्र में कबाडी नईम कुरैशी के कबाड़ के गोडाउन से 25 बम के खोल बरामद किए गए. इस मामले में कबाड़ी नईम कुरैशी और बेटे आतिफ कुरैशी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपियों के खिलाफ धारा 287, 288 सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया. गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है. पूछताछ में अभी तक यह जानकारी सामने आई है कि कबाडी द्वारा यह बम के खोल इंदिरा कालोनी निवासी वसीम नामक युवक से खरीदे गए थे.

खरीदने वाले कबाड़ी और उसके बेटा गिरफ्तार

पुलिस फरार आरोपी की कर रही तलाश

खोल बेचने वाला आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर : कबाडी ने पुलिस को बताया कि यह बम के खोल उन्होंने इंदिरा कालोनी निवासी वसीम नाम के युवक से खरीदे गए थे. नाम सामने आने के बाद पुलिस ने इंदिरा कालोनी में आरोपी के घर दबिश दी, लेकिन कोई सुराग नहीं लग पाया है. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए टीम बनाई है. इस टीम द्वारा सरगर्मी से आरोपी की तलाश की जा रही है. अभी तक पुलिस को आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता नहीं मिली है. पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा. आरोपी के गिरफ्तार होने के बाद ही पता चलेगा कि उसने यह खोल कहां से बेचने के लिए लाए थे. कबाड़ गोदाम से बम के खोल बरामद होने के बाद प्रशासन की आंख खुली है. प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस ने शहर के कई कबाड गोदाम का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान पुलिस ने कबाडियों को निर्देश दिए है कि वे इस तरह की सामग्री बिल्कुल न खरीदे. अन्यथा उनके खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी. सभी कबाडियों को बिकने आने वाली सामग्री और बेचने वालों का नाम एंट्री करने के लिए कहा है.

उफनते नाले को पार कर रहा बाइक सहित गिरा युवक

आठनेर। आठनेर में शनिवार की दोपहर बाइक से नाला पार कर रहा युवक बाइक समेत पुलिया में जा गिरा। गनीमत यह रही कि उसे चोट नहीं आई. युवक और उसकी बाइक का एक घंटे की मशक्कत के बाद रेस्क्यू किया गया.

इस दौरान बारिश के चलते यह नाला उफान पर आ गया. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक. आठनेर के हिड़ली रोड पर प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बनी सड़क पर करीब 15 फुट ऊंची पुलिया बनाई गई है. इस पुलिया पर सुरक्षा के लिहाज से रेलिंग नही लगाई गई है. आज दोपहर तेज बारिश हुई तो यह नाला उफान पर आ गया. इस दौरान भैंसदेही रोड इलाके में रहने वाला

कड़ी मशक्कत के बाद युवक को किया रेस्क्यू

बाइक अनियंत्रित होने से हुआ हादसा

24 वर्षीय युवक धीरज घोरसे यहां अपनी बाइक से रपटा पार कर रहा था. इसी बीच वह अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे बाइक समेत जा गिरा. उसे गिरता देख लोगो ने पुलिया के पास दौड़ लगा दी. ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर धीरज को रस्सियां फेंककर बचने के लिए सहारा दिया. वही उसकी बाइक बांधकर बाहर निकलवाया. इस दौरान नाले में पानी लगातार बढ़ता रहा. करीब एक घंटे की मेहनत के बाद लोगो ने युवक और उसकी बाइक को नाले से रेस्क्यू किया. बताया जा रहा है कि वार्ड-15 की पार्षद, पूनम प्रवीण चढोकार ने पुलिया पर रैली लगाने के लिए नगर परिषद को आवेदन दिया था जिस पर एस्टीमेट तैयार किया गया लेकिन कार्य नहीं हो सका. बताया जा रहा है कि जब युवक रपटा पार कर रहा था, तभी उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और वह पुलिया से गिर गया.

बारिश की फिर लगी झडी, सतपुड़ा जलाशय के 3 गेट खोले

सारणी। मौसम विभाग ने फिर बारिश की चेतावनी जारी की है. आज 1 इंच से ज्यादा बारिश होने का अनुमान जताया जा रहा है. वातावरण में बढ़ी हुई नमी के असर की वजह से बारिश की रफ्तार पकड़ने की संभावना ज्यादा है. इस दौरान हवा की रफ्तार सामान्य रहेगी. मौसम विभाग के मुताबिक दोपहर 3 बजे तक बारिश की रफ्तार बनी रहेगी, जो शाम 5 बजे के बाद हल्की पड़ जाएगी. इसके बाद रविवार दिन में गरज चमक की आशंका है. आज भी कहीं-कहीं बिजली गिरने की संभावना है. इधर, सतपुड़ा बांध क्षेत्र में पिछले 24 घंटे के दौरान बारिश की स्थिति शून्य है. हालाकि यहां रात डेढ़ बजे से 3 बजे खोले गए 3 गेट में से दो को बंद कर अब 1 गेट 1 फीट की ऊंचाई तक खुला रखकर 141 एमसीएफटी पानी बहाया जा रहा है. इस क्षेत्र में अब तक 952 एमएम बारिश हो चुकी है. पारसडोह बांध का भी एक गेट कल, शुक्रवार की तरह ही खुला रखा गया है. शुक्रवार भीमपुर, शाहपुर, बैतूल, भैंसदेही के अलावा कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई थी.

जेल की बाउंड्रीवॉल धराशायी, बाल बाल बचे राहगीर

बैतूल। शनिवार सुबह से हो रही तेज बारिश के चलते आकाशवाणी रोड पर जेल कि बाउंड्रीवाल का एक हिस्सा भर भराकर गिर गया. गनीमत थी कि इस समय सडक पर असम लोगो की आवाजाही नहीं थी नहीं तो बडा हादसा भी हो सकता था.

प्राप्त जानकारी के मुताबिक आयकर विभाग के दफ्तर से लेकर मुर्गी चौक तक बनाई गई जेल की बाउंड्री वाल की दीवार का कुछ हिस्सा अचानक भर भराकर सड़क पर आ गिरा. दीवार गिरने से हुई आवाज सुनाई देते ही यहाँ रहने वाले लोग घरों के बाहर निकले तो देखा कि दीवार का एक बडा हिस्सा टूटकर सडक पर आ गिरा है. स्थानीय नागरिकों के मुताबिक जिस समय

एक तरफ झुकने से हो सकता है बड़ा हादसा

लगातार बारिश के कारण गिर गई बाउंड्रीवॉल

बाउंड्रीवाल की दीवार गिरी उस समय सडक पर लोगों की आवाजाही काफी कम थी, इस सडक पर पैदल चलने वाले राहगीरों के लिए फुटपाथ बनाया गया है. जिससे सटकर ही दीवार बनाई गई है. यदि घटना के समय सडक या फुटपाथ पर आवाजाही होती तो कई लोग इसकी चपेट में आकर घायल भी हो सकते थे. नागरिकों के मुताबिक सड़क से सटी हुई बाउंड्रीवाल की पूरी दीवार कमजोर होकर एक ओर झुकती जा रही है. जिससे कभी भी बडी घटना घटित हो सकती है. जेल प्रबन्धन को दीवारों को सुरक्षित करने की जरूरत है. ताकी कोई आम आदमी घटना का शिकार ना हो सके. जेल की बाउंड्रीवाल वर्षो पुरानी बनी थी. जिले में कुछ दिनों से लगातार बारिश होने के कारण यह बाउंड्रीवाल धराशाही हो गई है. सुरक्षा की दृष्टि से जेल प्रशासन को बांउड्रीवाल की मरम्मत करनी पड़ सकती है.

कराते प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

मुलताई। विकास खंड स्तरीय जूडो, कराते,कुराश प्रतियोगिता में नगर के सरकारी और निजी स्कूलों के विद्यार्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया. विकास खण्ड खेलकूद अधिकारी महेश खत्री ने बताया गुरुवार को खेल पंचांग कैलेंडर के अनुसार आरडी पब्लिक स्कूल में सहायक संचालक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी सक्षम बारमाटे की अध्यक्षता में विकास खंड स्तरीय जूडो,कराते,कुराश प्रतियोगिता का आयोजन हुआ. इस अवसर पर बीआरसी आशिष शर्मा,खेल शिक्षिका रश्मि बाथरे की भी उपस्थिति रही. आरडी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य प्रतिक मेहरूनकर ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया. मंच संचालन आरडी पब्लिक स्कूल की शिक्षिका शैवी चिलहाटे ने किया. प्रतियोगिता में सीएम राइज स्कूल, पीएमश्री कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल ने सहभागिता दर्ज कराई.

आनंदधाम वृद्धाश्रम में किया गया पौधरोपण

बैतूल। ग्राम जामठी में संचालित नवीन वृद्धाश्रम आनंद धाम बैतूल में एक पौधा मां के नाम अभियान के अन्तर्गत प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश श्रीमती निहारिका सिंह द्वारा पौधरोपण कर आनंदधाम बैतूल का अवलोकन कर आनंद धाम निवासरत श्री सुदर्शन से चर्चा कर आनंदधाम में उपलब्ध आवश्यक संसाधन एवं सुविधाओं पर प्रसन्नता व्यक्त की गई. इस अवसर पर सेवा भारती के सचिव दीपेश मेहता, आनंदधाम के सदस्य अजय भार्गव, अन्य सदस्यों में नगरपालिका बैतूल की ब्रांड एम्बेसेडर श्रीमती नेहा गर्ग, समाजसेवी श्रीमती फरीदा बी हुसैन, श्रीमती संगीता अवस्थी, शिक्षाविद् गजेन्द्र पंवार, अधिवक्ता संकल्प खण्डेलवाल, के.आर.

संस्था ने कई प्रकार के पौधों को लगाया

पौधारोपण कार्यक्रम में कई लोग रहे मौजूद

डांगे, संस्था प्रबंधक विवेक शर्मा एवं शैलेन्द्र मोरे सहित ग्रामवासी उपस्थित थे. सेवाभारती के सचिव दीपेश मेहता ने बताया कि न्यायधीश श्रीमती निहारिका सिंह के द्वारा 24 पौधे दिए थे जिन्हें परिसर में लगाया गया. उन्होंने बताया कि अभी तक परिसर में शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से लगभग 250 पौधे लगाए जा चुके हैं. श्री मेहता ने नागरिकों से अपील की है कि जिन बुजुर्गों का कोई सहारा नहीं है और उनकी जानकारी में ऐसे बुजुर्ग हैं तो वे इन बुजुर्गों को आश्रम में पहुंचा सकते हैं या इसकी सूचना आश्रम को दे सकते हैं. सेवा भारती के द्वारा संचालित इस आश्रम में असहाय बुजुर्गों की बेहतर सेवा की जाती है और यहां पर व्यवस्था भी सराहनीय है. सेवा भारती के अध्यक्ष समाजसेवी मुकेश खण्डेलवाल के मार्गदर्शन में इस आश्रम का संचालन किया जा रहा है.

11 से 14 अगस्त तक निकलेगी तिरंगा यात्रा : हेमंत खंडेलवाल

बैतूल। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हर घर तिरंगा यात्रा की शुरूआत की जाएगी. यह तिरंगा यात्रा 11 अगस्त 14 अगस्त तक आयोजित होगी, इसमें युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं की अग्रणी भूमिका रहेगी.

घर-घर तिरंगा फहराने करेंगे प्रेरित

पत्रकार वार्ता में दी जानकारी

अन्य लोगों को भी इसमें शामिल किया जाएगा. यह कोई राजनैतिक यात्रा नहीं है. लोगों

में देश भक्ति का जज्बा जगाने के लिए इस यात्रा का आयोजन किया जा रहा है. यह बातें बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने पत्रकारवार्ता में कही. शनिवार दोपहर को भाजपा कार्यालय में पत्रकारवार्ता आयोजित की गई, जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष बबला शुक्ला, आमला विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे, जिला मीडिया प्रभारी सूर्यदीप त्रिवेदी प्रमुख रूप से मौजूद थे. हर घर तिरंगा यात्रा को लेकर विधायक श्री खण्डेलवाल ने बताया कि 13 से 15 अगस्त तक प्रत्येक कार्यकर्ता हर घर तिरंगा फहराने हेतु अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे. इन कार्यक्रमों में बच्चों को भी शामिल किया जाएगा. तिरंगा यात्रा का मकसद है राष्ट्रीय एकता की भावना से लोगों को ओत-प्रोत करना। 12 से 14 अगस्त को महापुरूष एवं स्मारकों के आसपास स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. 13 से 15 अगस्त तक महापुरूषों भारत माता के वीर सपूतों की प्रतिमाओं एवं स्मारकों पर माल्यार्पण किया जाएगा. 14 अगस्त को विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस के मौके पर इस पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा. श्री खण्डेलवाल ने बताया कि तिरंगा यात्रा में स्केटिंग वाले विद्यार्थियों को भी शामिल किया जाएगा.

मध्यान्ह भोजन | **रसोईयों को वेतन नहीं मिलने से आर्थिक संकट की स्थिति**

धुएं में मध्यान्ह भोजन बनाने रसोइए मजबूर, नहीं मिला गैस चूल्हा

बैतूल। जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत आने वाले कई स्कूलों में समूह के रसोइयों को चूल्हे के धुएं में बच्चों के लिए भोजन बनाना पड़ रहा है. विभाग द्वारा स्कूलों को अभी तक गैस चूल्हा उपलब्ध नहीं कराया जा सका है.

भीमपुर ब्लाक के कई स्कूलों में नहीं किया आवंटन

गैस चूल्हा नहीं मिलने से रसोईये परेशान

फाइल फोटो

पिछले 10 से 12 सालों से चुल्हे पर खाना बना रही महिला रसोइयों ने स्कूल प्रबन्धन से गैस चूल्हा मुहैय्या कराये जाने की कई बार गुहार लगाई, लेकिन गैस चूल्हा उपलब्ध नहीं कराए जाने के चलते धुएं के बीच ही महिला रसोइयों को बच्चों के लिए भोजन तैयार करना पड रहा है. गौरतलब है कि शाषन स्तर पर सभी स्कूलों में मध्यान भोजन बनाये जाने के लिए गैस चूल्हा उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं.

महिला रसोइया को कई माह से नहीं मिला वेतन : जनजातीय कार्य विभाग के ही अंतर्गत चिखली ग्राम के प्राथमिक स्कूल मे पदस्थ महिला रसोइया को पिछले कुछ महीने से वेतन नहीं दिया गया है. रसोइयां प्रमिला पांसे का कहना है कि वह जय संतोसि माता समूह के अन्तर्गत स्कूल में भोजन बनाये जाने का काम कर रही है. पूर्व में कुछ महीनों तक उसे 4 हजार रुपए महीना वेतन दिया गया, लेकिन पिछले चार महीने से उसे वेतन अप्राप्त है. इसके लिए समूह की अध्यक्ष सहित स्कूल प्रबंधन को अवगत कराया गया है, लेकिन अभी तक वेतन नहीं दिया जा सका है. वेतन नहीं मिलने से दिक्कतों का सामना करना पड रहा है. इन मामलों को लेकर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग से चर्चा करने के लिए सम्पर्क किया गया लेकिन फोन रिसीव नहीं किया.

धुंए के कारण आंखों में हो रही जलन

भीमपुर विकासखंड के प्राथमिक स्कूल भादरी ढाना में समूह की दो महिलाएं पिछले 10 सालों से मध्यान भोजन बना रही हैं, लेकिन इस स्कूल में अभी तक रसोइयों को गैस चूल्हा प्रदान नही किये जाने से चूल्हे पर ही भोजन बनाना पड़ रहा है. महिला रसोइया कामत उइके ने बताया कि गैस चूल्हा नहीं होने से चूल्हे पर ही भोजन तैयार करना मजबूरी बन चुका है. चूल्हे से उठने वाले धुंए के चलते आंखों में जलन होने से कम दिखाई देने लगा है. भोजन बनाए जाने के लिए जंगल से लकडी लाना पडता है, लेकिन बारिश में लकडियां गीली होने की वजह से अब भोजन बनाए जाने में ज्यादा दिक्क़तों का सामना करना पड रहा है.

14 अगस्त को होगा राष्ट्र रक्षा मिशन का अभिनंदन

बैतूल। जिले में सैनिक, शहीद स्मारक एवं सेना परिवारों के लिए कार्य कर रही सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों में अग्रणी संस्था बैतूल सांस्कृतिक सेवा समिति के देश व्यापी प्रकल्प राष्ट्र रक्षा मिशन का यह रजत जयंती वर्ष है. यह 25 वां वर्ष है जब बैतूल की बेटियां देश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर तैनात सैनिकों की हौसलाअफजाई के लिए रक्षा बंधन के दिन सरहद पर पहुंचेगी. इस लम्बे सफर में दूसरी बार श्री विनायकम स्कूल राष्ट्र रक्षा मिशन की अगुवाई और अभिनंदन का साक्षी बन रहा है. आगामी 14 अगस्त को दोपहर 2 बजे श्री विनायकम स्कूल के सभागृह में प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनधियों के आतिथ्य में राष्ट्र रक्षा मिशन दल की मंगलमय यात्रा के लिए अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है. राष्ट्र रक्षा मिशन-2024 के दल में इस बार बैतूल से 25, करनूल आंध्रप्रदेश से 6 एवं जोधपुर राजस्थान से 4

16 को बैतूल से बाडमेर के लिए रवाना होगा दल

सैनिकों के हाथों पर सजेगी राखियां

सदस्य शामिल है. भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला के मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष बैतूल सांस्कृतिक सेवा समिति का अभिनंदन सीमा पर जाने से पहले किया जाता है. श्री विनायकम स्कूल के संचालक संजय राठौर ने बताया कि यह स्कूल का गौरव है कि यहां दूसरी बार राष्ट्र रक्षा मिशन को सरहद के लिए जिले वासियों की शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद के साथ सैनिकों के लिए भेंट प्राप्त होगी. 25 वर्षों के इतिहास में पहली बार राष्ट्र रक्षा मिशन घर से सरहद तक बस से पहुंचेगा. विधायक हेमंत खण्डेलवाल संस्था के विभिन्न सेवा प्रकल्प राष्ट्र रक्षा मिशन एवं ऑटो एम्बुलेंस योजना से वर्षों से जुड़े है. सरहद पर रक्षा बंधन मनाने वाली बहनों के लिए श्री खंडेलवाल द्वारा जिले की सरहदी बहनों को रक्षाबंधन पर बस यात्रा का तोहफा दिया है. समिति की अध्यक्ष गौरी पदम ने बताया कि प्रतिवर्ष विधायक हेमंत खण्डेलवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला, जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे, पूर्व विधायक निलय डागा सहित अन्य लोग राष्ट्र रक्षा मिशन की मदद आगे बढकर करते है.